अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	विश्व पर्यावरण दिवस - 2026 (राज्य स्तरीय समारोह)
2.	मिशन 'हरयाळो राजस्थान' और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ
3.	राजस्थान में 'समृद्धि' पायलट प्रोजेक्ट : बीसलपुर कमांड एरिया
4.	"मेसालिना बिश्नोई" : राजस्थान में छिपकली की नई प्रजाति
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. जल बजटिंग पायलट प्रोजेक्ट में राजस्थान के 3 ब्लॉक
6.	राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार (NAEG) 2026
7.	भारतीय राज्यों पर ऋण संकट
8.	प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY)
9.	भारत-यूनाइटेड किंगडम क्रिटिकल मिनरल्स ग्लोबल सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी (GSCO)
10.	भारत-वेनेजुएला संबंध
11.	नीलकंठ मिश्रा विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक नियुक्त हुए
12.	जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST)

राजस्थान परिदृश्य

विश्व पर्यावरण दिवस - 2026 (राज्य स्तरीय समारोह)

चर्चा में क्यों?

- विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून) के अवसर पर जयपुर स्थित 'कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान' में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

मुख्य बिन्दु:

- **राज्य स्तरीय कार्यक्रम का मुख्य आयोजक :** पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल।
- **अर्ली वार्निंग सिस्टम की शुरुआत :** कार्यक्रम के दौरान वायु गुणवत्ता की सटीक निगरानी और पूर्वानुमान के लिए अलवर एवं भिवाड़ी में 'वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी एवं निर्णय सहायता प्रणाली' (AQEWS) का शुभारंभ किया गया।
- **तकनीकी समझौता (MoU) :** पर्यावरण संरक्षण की नवीन तकनीकों और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (RSPCB) और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।
- **RSPCB के 4 क्षेत्रीय कार्यालयों का शिलान्यास :** जैसलमेर, बाँसवाड़ा, झुंझुनूं और सवाई माधोपुर।
- **हरित बुनियादी ढाँचा :** राज्य में 7 नवीन पौधशालाओं (Nurseries) तथा 8 प्रे-बेस ऑग्मेंटेशन एनक्लोजर्स का लोकार्पण।
- साथ ही, मुख्यमंत्री द्वारा ग्रीन-को रेटिंग योजना और हैकाथॉन विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गए।
- **प्रदर्शनी का उद्घाटन :** 'प्रकृति से प्रेरित' विषयान्तर्गत प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स :

- **विश्व पर्यावरण दिवस - 2026 का मेजबान देश :** अज़रबैजान।
- **विषयवस्तु (Theme) :** "प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए।" (Inspired by Nature. For Climate. For Our Future.)
- **मुख्य सन्देश :** #NowForClimate (अभी जलवायु के लिए)

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

मिशन ‘हरयाळो राजस्थान’ और ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

- विश्व पर्यावरण दिवस - 2026 के अवसर पर मुख्यमंत्री ने झालाना (जयपुर) के विश्व वानिकी वृक्ष उद्यान में बरगद का पौधा रोपकर वर्ष 2026 के लिए मिशन ‘हरयाळो राजस्थान’ और ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान का शुभारंभ किया।

मुख्य बिन्दु:

- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026-27 के राज्य बजट में राजस्थान को हरित प्रदेश के रूप में विकसित करने की दृष्टि से 10 करोड़ पौधे लगाने एवं संरक्षण का लक्ष्य रखा गया है।
- नोट : राजस्थान ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आवंटित लक्ष्य में पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

मिशन 'हरयाळो राजस्थान'

- मिशन 'हरयाळो राजस्थान', मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान और एक पेड़ माँ के नाम अभियान संयुक्त रूप से संचालित किये जा रहे हैं।
- मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान 'हरयाळो राजस्थान' (एक पेड़ माँ के नाम) के तहत वर्ष 2024 से 2028 तक राज्य में कुल 50 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- यह पहल प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से प्रेरित है, जो राज्य में हरित आवरण को बढ़ाने के लिए एक मल्टी सेक्टरल कार्यक्रम है।
- राज्य में पौधरोपण कार्यक्रम की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए त्रि-स्तरीय टास्क फोर्स की व्यवस्था है। इसके तहत राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय टास्क फोर्स, जिला स्तर पर जिला कलक्टर तथा उपखण्ड स्तर पर उपखण्ड अधिकारी की अध्यक्षता में टास्क फोर्स कार्य करेंगी।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स :

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान:

- शुरुआत : 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा।
- इस अभियान के तहत लोगों को अपनी माँ के प्रति प्रेम, आदर और सम्मान के प्रतीक के रूप में एक पेड़ लगाने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है और पेड़ों और धरती माँ की रक्षा करने का संकल्प भी लिया जाता है।
- उद्देश्य : इस अभियान का उद्देश्य भूमि क्षरण की रोकथाम और क्षरित भूमि के पारिस्थितिक पुनर्स्थापन को सुनिश्चित करना है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

राजस्थान में 'समृद्धि' पायलट प्रोजेक्ट : बीसलपुर कमांड एरिया

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार द्वारा घोषित 'समृद्धि' पायलट प्रोजेक्ट के तहत राजस्थान से एकमात्र चयनित स्थान टोंक जिले का बीसलपुर कमांड एरिया है।

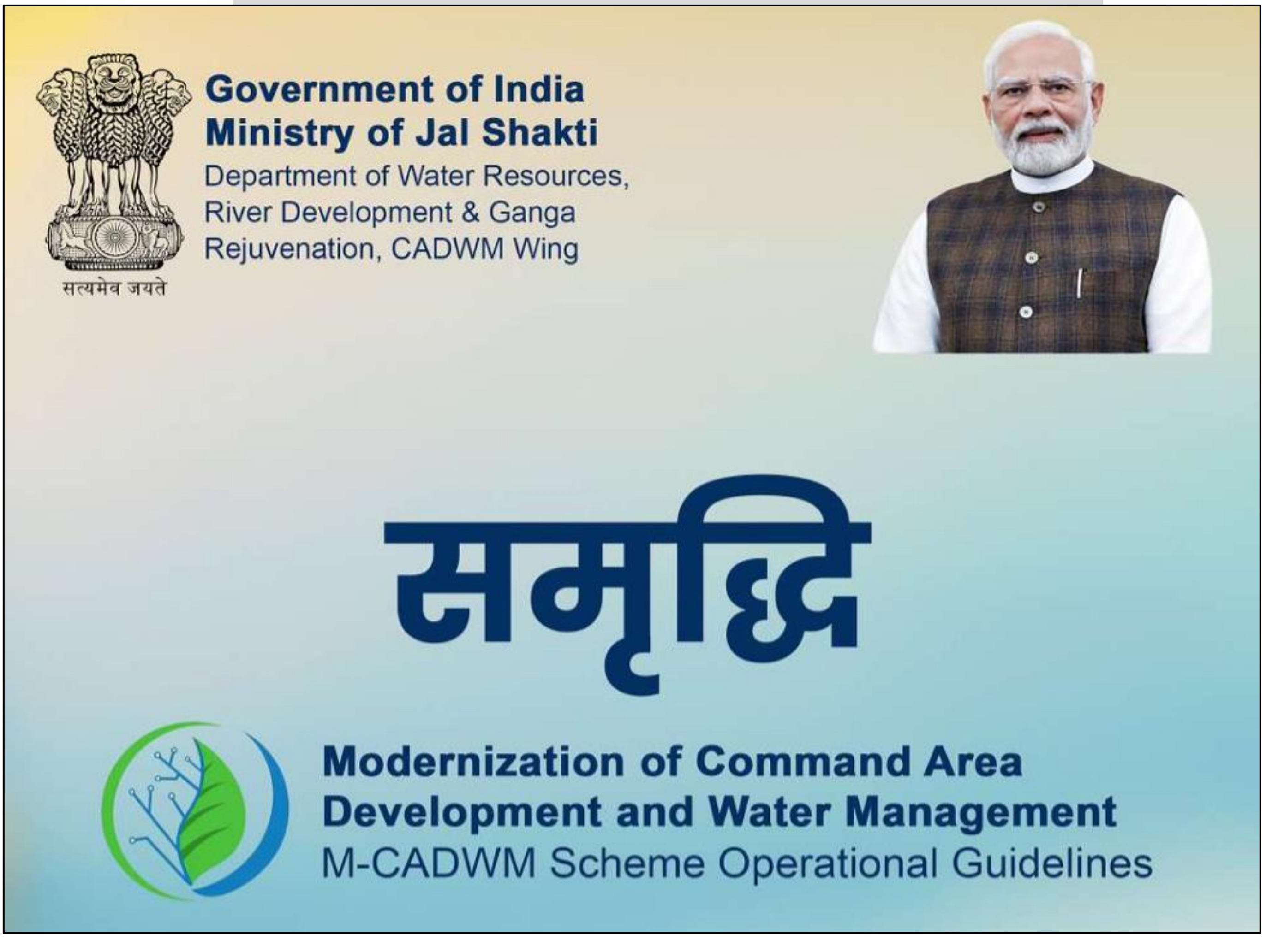

मुख्य बिन्दु:

- इस परियोजना के तहत बीसलपुर बाँध के कमांड एरिया में पाइपलाइन और फव्वारा (स्प्रिंकलर) पद्धति से खेतों तक सिंचाई का पानी पहुँचाया जाएगा।
- यह परियोजना कमांड एरिया डवलपमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट (M-CADWM) उप-योजना के तहत संचालित की जा रही है।

- **कमांड एरिया डवलपमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट (M-CADWM), 'प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना' (PMKSY) के अंतर्गत जल शक्ति मंत्रालय द्वारा संचालित एक प्रमुख पहल है।**
- **इसका मुख्य उद्देश्य सिंचित क्षेत्रों में जल उपयोग की दक्षता को बढ़ाना और कृषि उत्पादकता में सुधार करना है।**
- **इस परियोजना के तहत देशभर में 32 चयनित स्थानों पर पायलट प्रोजेक्ट संचालित किये जायेंगे।**
- **प्रोजेक्ट के तहत बीसलपुर कमांड एरिया के कुल क्षेत्रफल (81,800 हेक्टेयर) में से 5,000 हेक्टेयर क्षेत्रफल का चयन किया गया है।**

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- **प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 09 अप्रैल, 2025 को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) की उप-योजना के रूप में 'कमांड एरिया डवलपमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट (M-CADWM)' को 2025-2026 की अवधि के लिए मंजूरी दी।**
- **इस योजना का उद्देश्य निर्धारित क्षेत्र में मौजूदा नहरों या अन्य स्रोतों से सिंचाई जल आपूर्ति नेटवर्क का आधुनिकीकरण करना है।**
- **इसके तहत स्थापित स्रोतों से लेकर खेत तक 1 हेक्टेयर तक सूक्ष्म सिंचाई के लिए मजबूत आधारभूत संरचना तैयार की जाएगी, जिसमें भूमिगत दबावयुक्त पाइप सिंचाई प्रणाली का उपयोग किया जाएगा।**

"मेसालिना बिश्नोई" : राजस्थान में छिपकली की नई प्रजाति

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI) और वन्यजीव शोधकर्ताओं ने बीकानेर के गजनेर वन क्षेत्र में छिपकली की एक नई प्रजाति की खोज की।

मुख्य बिन्दु:

- नई खोजी गई प्रजाति को "मेसालिना बिश्नोई" नाम दिया गया है, जो राजस्थान में बिश्नोई समुदाय के प्रकृति एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है।
- यह खोज भारत में 'मेसालिना' वंश (Genus Mesalina) का पहला प्रमाणित और नमूना-आधारित रिकॉर्ड है।
- यह बहुत छोटे शरीर वाली छिपकली है, जिसकी लंबाई मात्र 39.2 मिलीमीटर है।
- **रंग :** भूरा और ऑलिव ब्राउन। गर्दन से पूंछ तक दो धारियां।
- यह दिन में सक्रिय रहने वाली और तेज गति से चलने वाली छिपकली है।
- **आवास :** थार मरुस्थल की विरल वनस्पति वाले कठोर और पथरीले अर्द्ध-रेगिस्तानी इलाकों में।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**जल बजटिंग पायलट प्रोजेक्ट में राजस्थान के 3 ब्लॉक** ■ नीति आयोग द्वारा आकांक्षी ब्लॉक (Aspirational Blocks) के लिए जारी जल बजटिंग पायलट प्रोजेक्ट में राजस्थान के 3 ब्लॉक शामिल किए गए हैं। ○ भीम (राजसमंद) - 145.24% भूजल दोहन। ○ कोटड़ी (भीलवाड़ा) – 143.25% भूजल दोहन। ○ आबू रोड (सिरोही) - 113.98% भूजल दोहन। ■ यह प्रोजेक्ट भारत के विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों के 18 ब्लॉकों में लागू किया गया हैं।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

राष्ट्रीय परिदृश्य

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार (NAEG) 2026

(स्रोत: PIB)

चर्चा में क्यों?

- भारत सरकार ने राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार (NAEG) 2026 के विजेताओं की घोषणा कर दी है।

मुख्य बिन्दु:

- सात पुरस्कार श्रेणियों में कुल 17 पहलों का चयन किया गया, जिनमें 10 स्वर्ण पुरस्कार, 6 रजत पुरस्कार और 1 जूरी पुरस्कार शामिल हैं।

ई-गवर्नेंस के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (NAEG)

- ये पुरस्कार प्रतिवर्ष ई-गवर्नेंस और डिजिटल सार्वजनिक सेवा वितरण में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किए जाते हैं।
- वे शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित सेवाओं में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी के नवोन्मेषी उपयोग को मान्यता देते हैं।
- इसका गठन प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा किया गया है।
- इन पुरस्कारों में मंत्रालयों, विभागों, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, जिलों, शहरी स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों द्वारा कार्यान्वित की गई पहलें शामिल हैं।

प्रमुख पुरस्कार विजेता

- **एग्री स्टैक:** कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित ।
- यह किसानों के लिए विशिष्ट किसान पहचान और भूमि से जुड़े डेटाबेस के माध्यम से एक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करता है।
- यह सब्सिडी, फसल बीमा, ऋण, सलाह और सरकारी योजनाओं के लक्षित वितरण को सुगम बनाता है।
- **ई-जागृति:** यह उपभोक्ता शिकायतों को दर्ज करने और उन पर नज़र रखने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा विकसित किया गया है।
- महाकुंभ 2025 डिजिटल गवर्नेंस मॉडल: प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा लागू किया गया।
- **ब्लड बैग ट्रेसिबिलिटी और नागरिक संपर्क पोर्टल:** इसे केरल विकास और नवाचार रणनीतिक परिषद द्वारा विकसित किया गया है और यह रक्त दान से लेकर आधान तक रक्त इकाइयों की संपूर्ण ट्रैकिंग को सक्षम बनाता है।
- **ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवा में एआई-सक्षम नैदानिक निर्णय सहायता प्रणाली:** इसे स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित किया गया है।

आर्थिक घटनाक्रम

भारतीय राज्यों पर ऋण संकट

(स्रोत: INDIAN EXPRESS)

चर्चा में क्यों?

- केरल ने 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज होने के बाद राज्य की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र पेश किया। यह सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) का 35.5% है।

मुख्य बिन्दु:

- साथ ही, वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान जैसे प्रतिबद्ध व्यय उसके राजस्व व्यय का 77% हिस्सा खर्च कर देते हैं।
- उपर्युक्त कारणों से राज्य का पूंजीगत व्यय घटकर GSDP के केवल 1.3% तक सीमित रह गया है।

भारतीय राज्यों पर ऋण संकट

- नीति आयोग के 'वित्तीय स्वास्थ्य सूचकांक' के अनुसार, राज्यों का ऋण भारत के कुल सरकारी ऋण का लगभग एक-तिहाई है।
- पंजाब, पश्चिम बंगाल, केरल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य लगातार राजस्व घाटे, राजकोषीय घाटे, उच्च कर्ज स्तर (GSDP का 35-45%) और उच्च ब्याज के भुगतान के बोझ का सामना कर रहे हैं।
- RBI के अनुसार मार्च 2024 तक भारतीय राज्यों का समेकित राजकोषीय घाटा बढ़कर GDP के 3.3% तक पहुंच गया। साथ ही, बकाया देनदारियाँ GDP के लगभग 28% तक पहुँच गईं।

राज्यों पर बढ़ते ऋण बोझ के मुख्य कारण

- **लोकलुभावन घोषणाएं और योजनाएं :** सब्सिडी, कल्याणकारी योजनाओं और फ्रीबीज पर भारी व्यय बजट पर दबाव डालता है।

- **प्रतिबद्ध व्यय अधिक होना:** वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान पर राज्यों की राजस्व प्राप्तियों का 50–60% से अधिक व्यय हो जाता है (जैसे पंजाब और केरल)। इस वजह से पूंजीगत निवेश के लिए उपलब्ध संसाधन कम पड़ जाते हैं।
- केरल जैसे राज्यों में आबादी में वृद्धजनों का अनुपात 15% से अधिक होने के कारण पेंशन और स्वास्थ्य-देखभाल जैसी सेवाओं पर व्यय बढ़ता जा रहा है।
- **राजस्व प्रबंधन की खामियां:** जैसे केंद्रीय GST हस्तांतरण पर अधिक निर्भरता; स्वयं के कर राजस्व स्रोत में वृद्धि कम होना।
- **अन्य कारक:** राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (FRBM) अधिनियम की उधारी सीमाओं से बचने के लिए ऑफ-बजट उधारियां, कोविड-काल के आपातकालीन ऋण, तथा बढ़ती उधारी लागत (उच्च ब्याज दर) भी राज्यों के ऋण बोझ को बढ़ाने वाले प्रमुख कारक हैं।

UTKARSH CIVIL SERVICES

योजनाएँ एवं नीतियाँ

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY)

(स्रोत: THE HINDU)

चर्चा में क्यों?

- लोक लेखा समिति (PAC) ने दिए जा रहे प्रशिक्षण और बाजार में कौशल की मांग के बीच असंगति को लेकर प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) पर सरकार की आलोचना की है।

मुख्य बिन्दु:

PAC द्वारा रेखांकित चिंताएँ

- **कौशल की मांग और दिए जा रहे प्रशिक्षण में असंगति:** परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स और खुदरा क्षेत्रक से संबंधित प्रशिक्षण पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया जबकि इन क्षेत्रकों में रोजगार के अवसरों की कमी रही है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- **प्रमाणन में कमी:** 1.32 करोड़ उम्मीदवारों को प्रशिक्षित और प्रमाणित करने के निर्धारित लक्ष्य के वनिस्पत केवल 1.10 करोड़ लोगों को ही प्रमाणित किया गया।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY)

- PMKVY एक प्रमुख कौशल प्रमाणन योजना है, जिसका उद्देश्य भारतीय युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है, ताकि वे बेहतर रोजगार और आजीविका के अवसर प्राप्त कर सकें।
- **प्रारंभ:** 2015 में केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:** राष्ट्रीय कौशल विकास निगम

UTKARSH CIVIL SERVICES

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

भारत-यूनाइटेड किंगडम क्रिटिकल मिनरल्स ग्लोबल सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी (GSCO)

(स्रोत: DD NEWS)

चर्चा में क्यों?

- भारत-यूनाइटेड किंगडम 'क्रिटिकल मिनरल्स ग्लोबल सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी' (GSCO) को औपचारिक रूप से प्रारंभ किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- इसकी घोषणा 2025 में भारत और यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्रियों की द्विपक्षीय वार्ता के दौरान की गई थी। मार्च, 2026 में हस्ताक्षरित एक अनुसंधान सहयोग समझौते के माध्यम से इसे औपचारिक रूप दिया गया।

क्रिटिकल मिनरल्स GSCO:

- यह TEXMiN (TTRP, DST), IIT (ISM) धनबाद और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की एक संयुक्त पहल है।
- **उद्देश्य:** विश्व की अति-महत्त्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं की निगरानी और विश्लेषण करने के लिए एक डेटा-संचालित मंच तैयार करना।
- **महत्त्व:** आपूर्ति संबंधी जोखिमों और व्यवधानों की पहचान करना, बाजार की खुफिया जानकारी एकत्र करना, तथ्यों पर आधारित निर्णय लेने में मदद करना और 'राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन' के लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायता करना।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

भारत-वेनेजुएला संबंध

(स्रोत: NEWS ON AIR)

चर्चा में क्यों?

- वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने भारत का दौरा किया और प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत की।

मुख्य बिन्दु:

यात्रा के प्रमुख परिणाम

- **दीर्घकालिक ऊर्जा साझेदारी की ओर:** दोनों पक्षों ने स्पॉट खरीद से दीर्घकालिक कच्चे तेल आपूर्ति अनुबंधों की ओर बढ़ने पर चर्चा की। भारत और वेनेजुएला ने संपूर्ण ऊर्जा मूल्य श्रृंखला में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाया, जिसमें शामिल हैं:
  - तेल की खोज और उत्पादन जैसी प्रारंभिक गतिविधियाँ।
  - शोधन और पेट्रोकेमिकल्स जैसी अनुगामी गतिविधियाँ।
- **महत्त्वपूर्ण खनिजों में सहयोग:** चर्चा में महत्त्वपूर्ण खनिजों, सोने और हीरे के खनन को शामिल किया गया।
- **अन्य क्षेत्रों में सहयोग:** कृषि और कृषि यंत्रीकरण, पशुपालन, परिवहन और रसद, ऑटोमोटिव विनिर्माण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी।

भारत के लिए वेनेजुएला का महत्त्व

- **ऊर्जा सुरक्षा:** वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा सिद्ध कच्चा तेल भंडार है।
- भारत कच्चे तेल का विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और अपनी तेल आवश्यकताओं का 85% से अधिक आयात करता है।
- भारतीय रिफाइनरियाँ वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल को संसाधित करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं ।
- **भविष्य के उद्योगों के लिए महत्त्वपूर्ण खनिजों का संरक्षण:** वेनेजुएला के पास दुर्लभ पृथ्वी तत्त्वों, निकेल और अन्य रणनीतिक संसाधनों सहित महत्त्वपूर्ण खनिजों के महत्त्वपूर्ण भंडार हैं ।

- **भारत की लैटिन अमेरिका में पहुँच:** वेनेजुएला लैटिन अमेरिका में भारत की आर्थिक और राजनयिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए एक महत्त्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।

वेनेजुएला

- **स्थान:** दक्षिण अमेरिका के उत्तरी तट पर स्थित

- **इसके पश्चिम में कोलंबिया , दक्षिण में ब्राजील , पूर्व में गुयाना और उत्तर में कैरेबियन सागर स्थित है।**
- **राजधानी: काराकास।**
- **प्रमुख भौगोलिक क्षेत्र:**
  - **उत्तर-पश्चिमी वेनेजुएला से होकर एंडीज पर्वतमाला का उत्तर-पूर्वी विस्तार गुजरता है ।**
  - **माराकाइबो झील बेसिन उत्तर पश्चिमी वेनेजुएला का एक प्रमुख भूवैज्ञानिक और भौगोलिक क्षेत्र है।**
  - **लानोस मध्य वेनेजुएला में फैले विशाल, उष्णकटिबंधीय सवाना मैदान हैं।**

UTKARSH CIVIL SERVICES

नीलकंठ मिश्रा विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक नियुक्त हुए

(स्रोत: NEWS ON AIR)

मुख्य बिन्दु:

- मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने नीलकंठ मिश्रा को विश्व बैंक मुख्यालय, वाशिंगटन डीसी में कार्यकारी निदेशक के रूप में तीन साल के कार्यकाल के लिए नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है।
- वह विश्व बैंक के बोर्ड में भारत, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका सहित दक्षिण एशियाई निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- वह परमेश्वरन अय्यर का स्थान लेंगे, जो फरवरी 2023 से इस पद पर आसीन हैं।
- कार्यकारी निदेशक विश्व बैंक के बोर्ड का हिस्सा हैं, जो नीतियों, ऋण संबंधी निर्णयों और विकास प्राथमिकताओं की देखरेख करता है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

विज्ञान प्रौद्योगिकी

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST)

(स्रोत: INDIAN EXPRESS)

चर्चा में क्यों?

- नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने पहली बार अंतरतारकीय धूमकेतु '3I/ATLAS' पर मीथेन का पता लगाया है।

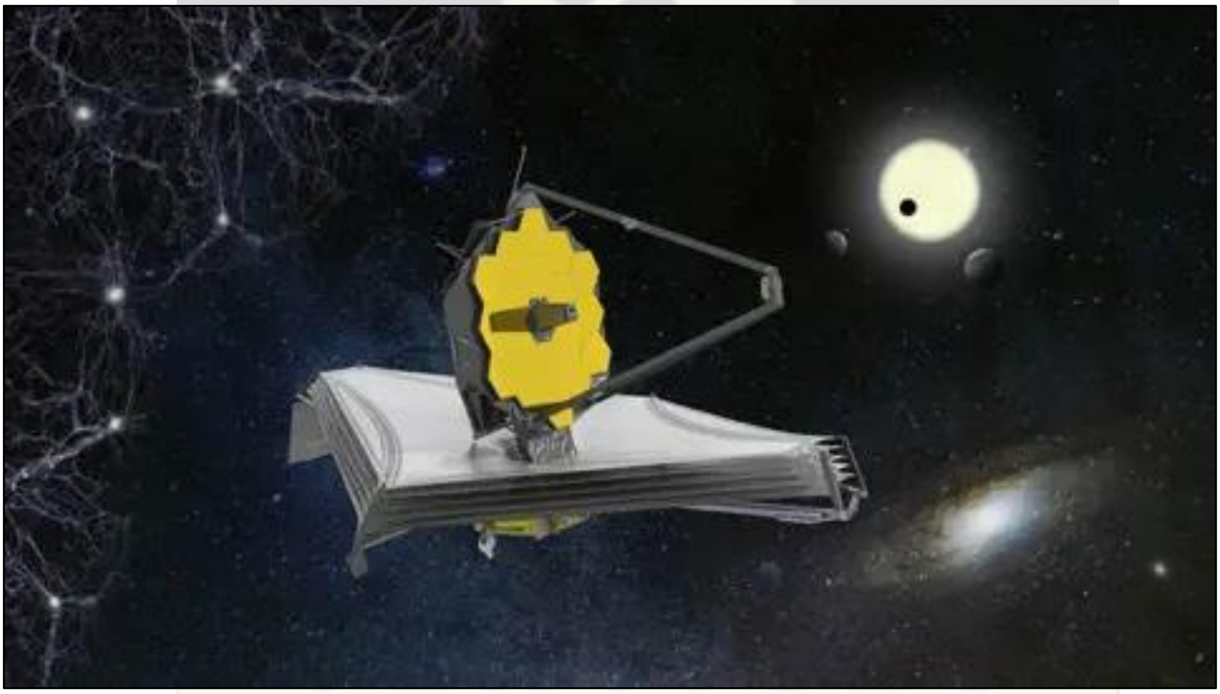

मुख्य बिन्दु:

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप

- यह हबल स्पेस टेलीस्कोप के बाद अगली पीढ़ी का एक उन्नत टेलीस्कोप है। इसे तारों, ग्रहों और प्रारंभिक आकाशगंगाओं के निर्माण का अध्ययन करके ब्रह्मांड की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (CSA) के बीच एक अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी है।
- **प्रक्षेपण:** वर्ष 2021 में।